PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

'एकलव्य' TEST SERIES PAPER

STD : X [HL]

SUBJECT : HINDI FULL

TIME : 3 HR. **MAX. MARKS : 80**

प्र. १) अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृतियॉ पूर्ण किजिए । ०८

१) i) अनुच्छेद पढकर दी गई कृतियॉ पूर्ण कीजिए । ०२

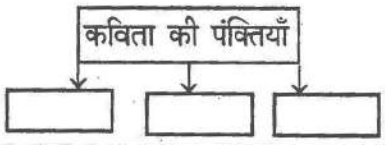

हमदर्दी जताने वालों में वे लोग जरूर आएँगे, जिनकी हम सूरत भी नहीं देखना चाहजे। हमारे शहर में एक कवि हैं, श्री लपकानंद जी। उनकी बेतुकी कविताओं से सारा शहर परेशान है। मैं अकसर उन्हें दूर से देखकर ही भाग खडा होता हूँ, जब भी मिलेंगे दस-बीस कविताएँ पिलाए बिना नहीं छोडेंगे। एक दिन बगल में झोला दबाए आ पहूँचे। आते ही कहने लगे- मै तो पिछले चार-पाँच दिनों से कवि सम्मेलनों में अति व्यस्त था। सच कहता हूँ। कसम से, मैं आपके बारे में ही सोचता रहा। रातभर मुझे नींद नहीं आई और हाँ, रात को इसी संदर्भ में यही कविता बनाई...। यह कह झोले में से डायरी निकाली और लगे सुनाने -

आसाम की राजधानी है शिलाँग
मेरे दोस्त की टूट गई है टाँग
मोटरवाले, तेरी ही साइड थी राँग ।

कविता सुनाकर वे मुझे ऐसे देख रहे थे, मानो उनकी एक आँख पूछ रही हो - कहो, कविता कैसी रही? औरदूसरी आँख पूछ रही हो-बोल बेटा ! अब भी मुझसे भागेगा ? मैंने उन्हें जल्दी से चाय पिलाई और फिर कविताएँ सुनने का वादा कर बडी मुश्किल से उन्हें विदा किया ।

अब मैं रोज ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ किहे ईश्वर! अगर तुझे मेरी दूसरी टाँग भी तोडनी हो तो जरूर तोड मगर कृपा कर उस जगह तोडना जहाँ मेरा कोई भी परिचित न हो, क्योंकि बडे बेदर्द होते हैं ये हमदर्दी जताने वाले।

२) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए । ०२

१) कवि महोदय एक दिन बंगले मे फाइल दबाए आ पहुंचे ।

२) हँसने की आवाज मुझे पडोस के कमरे से सुनाई दी ।

३) i) **वचन परिवर्तन कीजिए ।** ०१

१) आँख - ..... २) कविता - .....

ii) **परिच्छेद में प्रयुक्त दो विराम चिन्ह के नाम लिखिए ।** ०१

१) ——— २) ———

४) **स्वमत :-** परेशान हूँ इन मेहमानो से । इस विषय पर छ - सात पंक्तियों मे अपने विचार व्यक्त कीजिए। ०२

प्र. १) आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृति पूर्ण किजिए । ०८

रामस्वरूप	.:	अबे! धीरे–धीरे चल .... अब तख्त को उधर मोड़ दे ... (तख्त के रखे जाने की आवाज आती है।)
रतन	:	बिछा दे साहब?
रामस्वरूप	:	(जरा तेज आवाज में) और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या? बिछा दूँ साहब! ... और यह पसीना किसलिए बहाया है?
रतन	:	(तख्त बिछाता है) हीं – हीं – हीं।
रामस्वरूप	:	(दरी उठाते हुए) और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला और सितार भी।.... जल्दी जा (रतन जाता है। पति–पत्नी तख्त पर दरी बिछाते है।)
प्रेमा	:	लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।
रामस्वरूप	:	क्या हुआ?
प्रेमा	:	तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक–ठाक करके नीचे लाना।
रामवरूप	:	अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही है। खुद पढ़े–लिखे है, वकील है, सभा–सोसायटियों में जाते है; मगर चाहते है कि लड़की ज्यादा पढ़ी–लिखी न हो।
प्रेमा	:	और लड़का?
रामस्वरूप	.:	बाप सेर तो लड़का सवा सेर। बी.एस्सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।

१) **संजाल पूर्ण कीजिए :** (२)

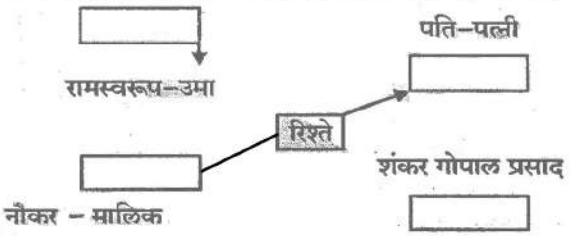

२) **आकृति पूर्ण कीजिए :** (१)

अ) व्यावसायिक शिक्षा के नाम –

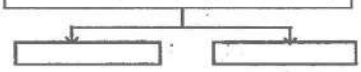

आकृति पूर्ण कीजिए : (१)

ब) शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त वादयों के नाम –

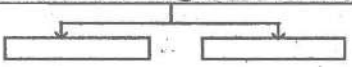

३) **परिच्छेद में प्रयुक्त शब्दयुग्म पूर्ण कीजिए :** (१)

१) पढ़े – ..... २) सभा – .....

२) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए :** (१)

अ) पसीना – ..... ब) अक्ल – .....

४) **स्वमत :-** भाषा एकता का सशक्त माध्यम है एस पर आठ-दस वाक्यों में अपने विचार लिखिए । ०२

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

प्र. १) इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृति पूर्ण किजिए । ०४

१) उत्तर लिखिए । ०२

१) मनुष्य का स्वभाव इस प्रवश्त्ति का है -

२) परिच्छेद में वर्णित एक महान पहिला नेता -

३) मनुष्य के मन में इनके प्रति प्रेमभाव होना चाहिए -

४) यहाँ भी पशु-पक्षियाँ पर अत्याचार किया जाता है -

मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पशु-पक्षियाँ को अपने नियंत्रण में लेकर उन्हें ममनमाने ढंग से प्रशिक्षित करता है। प्रशिक्षण के बाद वह उन्हें धनार्जन व सुख-सुविधा के लिए प्रयोग करना शुरू कर देता हैं। बोझ ढोना, यातायात, हल खिचना, रहट चलाना, कोन्हू चलाना आदि अनेक कोमों के लिए बैल, घोडा, गधा, ऊँट और हथियाँ का खुलकर प्रयोग किया जाता है। मनुष्य का स्वभाव स्वार्थी प्रवृत्ति का है। उसने अपने सुविधाओं के लिए जीव-जंतुओं का शोषण तो किया ही है साथ ही वह अपने मनोंरजन के लिए भी उनका उपयोग करता है। बंदर, रीछ, नेवला आदि पशु तथा तोता, तीतर, कबुतर आदि पक्षी खेल - तमाशों के लिये उपयोग किए जाते हैं। उन्हे भुका-प्यासा रखकर प्रशिक्षित किया जाता है। कई चिडियाघरो में भी इन पशु-पक्षियों पर अत्याचार किए जाते हैं। भारत में मेनका गाँधी पशु-पक्षियों के हित में कई वर्षा से गंभीरतापूर्वक कार्य कर रही हैं। और लोगों के मन में पशु-पक्षियाँ के प्रति प्रेमभाव जागृत करने का प्रयास कर रही हैं। आज पशुओं के प्रति अत्याचार बंद ही होने पाहिए।

२) स्वमत :- पशु और पक्षियों के पगति प्रेमभाव होना चाहिए एस पर अपने विचार लिखिए। ०२

विभाग २ : पद्य

प्र. २. अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (६)

एक जुगनू ने कहा मैं तभी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।
एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हे बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।
डर जाए फूल बनने से कोई नाजूक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।
कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखू उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

१) अ)आकृति पूर्ण कीजिए :– (१)

आ) सही विकल्प चुनकर फिर से लिखिए : (१)

१) वक्त की इस धुध में तुम ..... बनकर दिखो। (सितारा/चिराग/रोशनी)

२) हम सभी के लिए एक ..... है (दुनिया/लड़के/सम्राट)

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

२) आकृती पूर्ण कीजिए : (२)

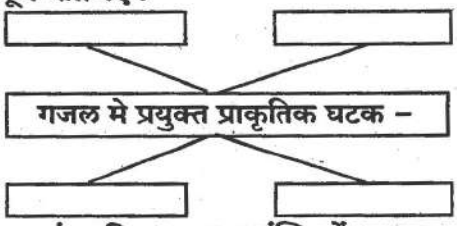

३) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। । (२)

प्र. २) आ) निम्नलिखित पठीत पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृति पूर्ण किजिए : ०६

१) अनुच्छेद पढकर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। ०२

i) माखन और छाछ इन संदर्भो मे प्रयुक्त

ii) राजी और रोने की दशा

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँडि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक लाज खोई ।
अँसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम बेलि बोई ।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बडे प्रेम से बिलोई ।
माखन जब काढि लियो छाछ पिये कोई ।।
भगत देखि राजी हुई जगत देखि रोई ।
दासी मीरा लाल गिरिधर तारो अब मोही ।।

२) i) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए । ०१

गिरिधर - ————————

ii) उत्तर लिखिए । ०१

दूध से बनने वाले पदार्थ - ————————

३) स्वमत :- कृष्ण भक्ति में रहने वाली मीर ने गृहत्याग कर दिया इस विषय पर आप क्या कहना चाहेंगे।०२

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

विभाग - ३ पुरक पठन

प्र. ३) अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृति पूर्ण किजिए । ०४

"यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों के उपहार देते हैं । इसका स्वरूप भी कुछ-कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान-प्रदान करते हैं । इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती है । तब भी यह समाज के माथे पर कलंक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है ।" कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया । जनता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा ।

'पर भीतर बैठे अधिकारियों ने... गंभीरता से विचार-विर्मश करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया । आज वह समझा कि सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नहीं ।'

१) **संजाल पूर्ण किजिए :** ०२

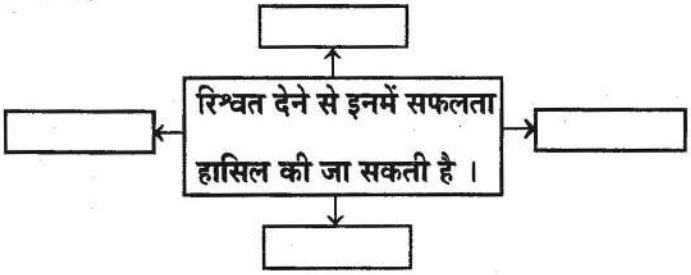

२) 'रिश्वत लेना और देना समाज के माथे पर कलंक है ।' अपने विचार लिखिए ०२

प्र. ३) आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओं के आधार पर कृति पूर्ण किजिए । ०४

चलती साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन । बादलों की ओट में सूना आकाश ।	तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर । सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

१) **उत्तर लिखिए -** ०२

i) निम्न पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए ।

सितारे छिपे बादलों की ओट में ।

ii) निम्न पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए ।

सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

२) **स्वमत :-** जीवन सुख-दुख का संगम है इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए । ०२

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

विभाग - ४ भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र. ४) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **१४**

१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- ०१

राजा के जीतेजी और कौन स्वर्ग जा सकता है ।

२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- ०१

i) बल्कि - ii) शाबाश -

३) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- ०१

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) --------	अति + अधिक	--------
ii) --------	पो + अन	--------

४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- ०१

i) रमेश आज नहीं खेल सका।

ii) तुलसी को मुझे छुट्टी में पिलाया है ।

५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारुप लिखिए (कोई एक) :- ०१

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) छोडना	----------	छुडवाना
ii) लौटना	लौटाना	----------

६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :- ०१

जब कैदी को अवसर मिला तो वह जेल से भाग गया।

(नौ दो ग्यारह होना, दौड लगाना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग किजिए-

१) मन लगाना - २) पूछताछ करना -

७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :- ०१

१) अरे, जरा दूध भिजवा देना । २) कविताओं से उन्हे प्यार था ।

८) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :- ०१

१) उससे उन्होंने पूछा तुम लॉग बुक रखते हो न

२) हे दयामय भगवान मुझसे बडी भारी चूक हुई है मुझे क्षमा करो

९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :- ०२

i) क्रोध से उसके नेत्र लाल हो गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

ii) वहाँ तस्वीर टँगी हुई है। (पूर्ण भूतकाल)

iii) फूल पंखुरी-पंखुरी झर जाएगा। (पूर्ण भूतकाल)

१०) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना क्रे अनुसार भेद लिखिए :- ०१

वह असलियत इतनी गंदी व धूर्त क्यों हो कि उसे छिपाना पडे।

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- ०१

आप अनुरागजी हैं। (प्रश्नार्थक वाक्य)

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

११) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :- ०२

(i) फूल पंखुरी-पंखुरी झर जाएगी।

(ii) अश्वारोही उससे देख बहुत अचंभित हुई।

विभाग - ५ उपयोजित लेखन २६

प्र. ५.अ) पत्रलेखन :- ०५

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन किजिए ।

संपादक 'मुस्कान' नागपुर / 'स्वच्छ भारत' योजना के अंतर्गत लेखा प्रकाशित करने हेतु / नवजीवन विद्यालय, आलमबाग विद्यालय प्रतिनिधि के नाते पत्र लिखिए ।

अथवा

२०/२०४ ओलंदगंज जौनपुर से रमेश / रमा उपाध्याय अपने मित्र / सहेली बारीगाँव ने बादा, मछलीशहर इलाहाबाद को वक्तृत्व स्पर्धा में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

२) गद्य आकलन :- निम्नलिखित परिच्छेत पढकर ऐसे पाँच प्रश्न तैयार किजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो । ०४

जीवन यात्रा में हमें तरह-तरह के अनुभव होते है, तरह-तरह के अबड-खाबड पथों से गुजरना पडता है, अनेक आँधियों व तूफानों का सामना करना पडता है, तथा सभी के जीवन में धूप-छाँव की तरह सुख-दुख का आना-जाना लगा रहता है । उत्थान-पतन, सुख-दुख हानि-लाभ आदि सभी से मिलकर जीवन बनता है । जे इस सत्य को सामने रखकर निश्चित मन से कर्म करते हुए अपने उद्देश्य की ओर बढते हैं, सफलता उनके चरण चूमती है और उनका जीवन आनंद से भरा रहता है । जो व्यक्ती जीवन में केवल सुख की ही अभिलाषा करते हैं, उन्हें पग-पग पर निराशा मिलती है । छोटी-सी कठिनाई को देखकर उनके हाथ - पैर फूक जाते है और उनका साहस हल्के बादलों की तरह संकट की तेज हवा में उड जाता है । साहस और आत्मविश्वास के साथ जीना ही सच्चा जीवन है । साहसी व्यक्ती कभी भी अपना कर्म नहीं छोडता । एकबार असफल होने पर भी नई उमंग, नए विश्वास व नए साहस से फिर प्रयत्न करता है । ऐसे व्यक्ति के सामने पहाड भी अपना सिर झुका लेते हैं, और दुराशा उनके पास तक नहीं फटकती, ऐसे व्यक्ति ही अपने राष्ट्र व समाज के नेता होते हैं ।

प्र. ५ आ) १) वृत्तांत लेखन अथवा कहानी लेखन ०५

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'शहीद दिवस' समारोह पर वृत्तांत लिखिए ।

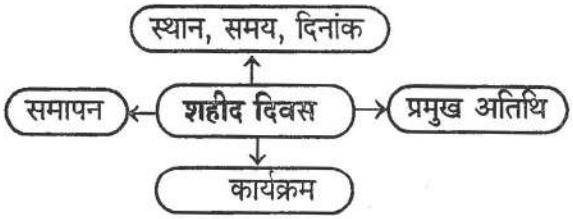

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION

२) **कहानी लेखन :-**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शिर्षक दिजिए -

एक भिखारी - दीनहीन - लक्ष्मी माता से प्रार्थना - लक्ष्मी प्रसन्न - वरदान - मुहरों की माँग - लालच -देवी की शर्त मुहरें जमीन पर गिरने पर मिट्टी हो जाएँगे - भिखारी की फटी-पुरानी झोली - झोली फैलाना - लक्ष्मी माता का मुहरें देना - लालच बढना - झोली का भर जाना और फटना - मुहरों का बिखरना - सीख.

३) **विज्ञापन लेखन :-** ०५

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए ।

प्रं. ५ इ) **निबंधलेखन :-** ०७

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए ।

१) 'कर जमा करना, देश के विकास को गति देना है'

२) रूपये की आत्मकथा

३) त्यौहार - सांस्कृतिक एकता के प्रतीक

PYRAMID
IIT-JEE | MEDICAL | FOUNDATION